

B.A. III, Paper 7

Group A, Industrial Psychology

Q. Difference between fatigue and monotony

थकावट एवं निरलता में अन्तर

- (1) थकावट तीन प्रकार के होते हैं।
 (a) औद्योगिक थकावट (Industrial fatigue)
 (b) दैहिक थकावट (Physiological fatigue)
 (c) मानसिक थकावट (Mental fatigue)
- निरलता एक मनोवैज्ञानिक थकावट है जिसमें औद्योगिक थकावट एवं दैहिक थकावट नहीं होता है।
- (2) निरलता (Monotony) किसी कार्य को बार-बार कराने से उस कार्य के प्रति निरलता आ जाती है। जबकि थकावट पिछली क्रियाओं (Previous activities) से उत्पन्न होता है जिसकी पुनरावृत्ति हो भी सकती है या नहीं हो सकती है।
- (3) निरलता में संवेग नहीं होती है इसमें काम करने वाले कार्मी में रुग्णपता की अनुभूति होती है जबकि थकावट से उत्पादन में ² कमी आती है।
 उत्पादन में कमी तथा काम करने वाले कार्मी या कार्मिकता में थकावट के कारण लैसिक अंश अधिक हो जाती है जिसके कारण उन्हें आगे कार्य करने की इच्छा नहीं होती है।
- (4) निरलता में उत्पादन में ² कमी आती है परन्तु थकावट के कारण उत्पादन में कमी हो जाती है।

यकाग के दो पहलू अर्थात् आँदोणिक यकाग तथा दैहिक यकाग को मापना आसान है किन्तु नीरलता का मापन संभव नहीं है + यो कि इनका स्वल्प भौगोलिक क्षेत्रों में आँदोणिक यकाग को उत्पादन में लाने के लिये तथा दैहिक यकाग को खेती में उलार्कोगीन की कमी तथा लक्ष्य आरंभ अधिक होता है जापू जातु ही

6) नीरलता किनी उद्योग में काम करवाके कमी या कार्यकर्ता के कार्य के संवर्धन का गुण होती है यकाग में उद्योग में कार्य मात्र बाले इलरे कमी में यकाग लोग को संभावना बढ जाती है

7) नीरलता में आगे काम करे की इच्छा सहाय्य हो जाती है यहाँ काम के शुरुआत में ही नीरलता होती है काम के अंत तक नीरलता कपते जाती है परन्तु यकाग काम के सशम काम होती है और अन्त में बढ जाती है

Kumar Patil
 Assistant Professor
 Dept. of Phy.
 Maharaja College Ara